उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आमेर किले का निरीक्षण किया

उन्होंने पिछले दिनों बारिश में ढही रामबाग की दीवार का जायजा लिया

जयपुर (कासं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा किया और हाल ही में ढही हुई रामबाग की दीवार का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किले की सुरक्षा और मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद, उपमुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक की। इस बैठक में आमेर किले के विकास और संरक्षण पर चर्चा हुई। बैठक में किले की दीवारों और अन्य संरचनाओं के रखरखाव, पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों, यातायात और साफ-सफाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बात की गई। अधिकारियों ने वर्तमान स्थिति और प्रस्तावित सुधारों के बारे में जानकारी दी, जिस पर दिया कुमारी ने अपने सुझाव दिए और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की सभी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने इन धरोहरों के सुधार और विकास के लिए आम लोगों और विशेषज्ञों की राय को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि इन प्रयासों से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एक नई पहचान मिलेगी और पर्यटकों का अनुभव और भी बेहतर होगा। इस अवसर पर पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियार, महल अधीक्षक राकेश छोलक, पुरातत्व निदेशक पंकज धीरेन्द्र, आमेर विकास प्राधिकरण और ट्रैफिक पुलिस के प्रतिनिधि सहित कई अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा किया और हाल ही में ढही हुई रामबाग की दीवार का जायजा लिया।

- उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को किले की सुरक्षा और मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए
- आधुनिक संरक्षण के लिए आमेर किले में दिया कुमारी ने अधिकारियों के साथ चर्चा की, विकास और सुधार पर बातचीत की
- राजस्थान की धरोहरों के संरक्षण पर दिया कुमारी ने जताई प्रतिबद्धता

गयाना के जार्जटाउन शहर में कृत्रिम अंग व कैलीपर निर्माण का स्थायी केन्द्र खुलेगा

जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति और वेस्टइण्डीज़ के देश गयाना के बीच एम.ओ.यू. हुआ

वेस्टइण्डीज़ के देश गयाना में कृत्रिम अंग और कैलीपर के निर्माण का स्थायी केन्द्र खोलने के लिए एमओयू पर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की दिल्ली शाखा के चेयरमैन प्रेमेन्द्र राज मेहता तथा गयाना के स्वास्थ्य मंत्री फ्रैंक एंथनी ने हस्ताक्षर किए ।

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) और वेस्टइण्डीज़ के देश गयाना के बीच एक एम.ओ.यू. के अन्तर्गत गयाना के जार्जटाउन शहर में कृत्रिम अंग और कैलीपर के निर्माण का एक स्थायी केन्द्र स्थापित किया जाएगा। इस केन्द्र की स्थापना में बी.एम.वी.एस.एस. तकनीकी सहयोग देगा और जार्जटाउन में स्थायी केन्द्र की स्थापना करने में गयाना के स्वास्थ्य मंत्रालय को सभी तकनीकी सहायता प्रदान करेगा ।

बी.एम.वी.एस.एस. की ओर से इस एम.ओ.यू. पर प्रेमेन्द्र राज मेहता जो बी.एम.वी.एस.एस. की दिल्ली शाखा के चेयरमैन हैं तथा गयाना के स्वास्थ्य मंत्री फ्रैंक एंथनी ने हस्ताक्षर किए । एम.ओ.यू. के अन्तर्गत बी.एम.वी.एस.एस. गयाना सरकार को जयपुर फुट और कैलीपर निर्माण के लिए आवश्यक सामान और उपकरण उपलब्ध कराएगा । इसके अलावा गयाना से भेजे गए तकनीशियनों को जयपुर स्थित केन्द्र में प्रशिक्षित करेगा। गयाना में केन्द्र की स्थापना के लिए बी.एम.वी.एस.एस. द्वारा एक विशेषज्ञ जार्जटाउन भेजा जाएगा जो केन्द्र की स्थापना अपनी निगरानी में करेगा। उल्लेखनीय हैं कि वर्तमान में जार्जटाउन में इस समय भारतीय कम्पनी कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इन्टरनेशनल लिमिटेड के आर्थिक सहयोग से एक शिविर का संचालन हो रहा हैं । इस शिविर के लिए कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इन्टरनेशनल आर्थिक सहयोग दे रहा हैं । शिविर का आयोजन भारतीय उच्चायोग और गयाना सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के सहयोग से सम्भव हो पाया हैं ।

उल्लेखनीय हैं कि वर्ष 2024 में दूसरे भारत-कैरी-कॉम सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कैरीकॉम देशों को सात प्रमुख क्षेत्रों में सहायता की पेशकश की थी । इसके क्षमता निर्माण, कृषि और खाद्य सुरक्षा क्रिकेट संस्कृति, समुद्री अर्थव्यवस्था और समुद्री सुरक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य और अन्य सेवा शामिल हैं ।

स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत कृत्रिम पैर लगाने का शिविर लगाया गया। फिज़ी के प्रधानमंत्री सितीवेनी रोलका जो भारत दौर पर अभी दिल्ली में हैं की उपस्थिति में प्रधानमंत्री मोदी ने फिज़ी में दूसरे जयपुर फुट शिविर लगाकर फिज़ी के विकलांगों को लाभ पहुँचाने की घोषणा की । बी.एम.वी.एस.एस. की छः सदस्यीय तकनीकी टीम जार्जटाउन में विकलांगों को कृत्रिम पैर लगाने गई हुई हैं।

पद्मश्री गीता चंद्रन ने भरतनाट्यम के माधुर्य से कलाप्रेमियों को किया मंत्रमुग्ध

जयपुर । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सोमवार की शाम कला और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब पद्मश्री से सम्मानित ख्यातनामा भरतनाट्ययम नृत्यांगना गीता चंद्रन ने अपने नृत्यवृक्ष डांस कलेक्टिव के साथ काव्य कथा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सभागार दर्शकों से खचाखच भरा रहा और हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज छाई रही।

शिव स्तुति की दिव्यता, गोविंद वंदना की भक्ति, ओंकारकारिणी की ऊर्जा, वसंत ऋतु की काव्यात्मकता और सूरदास के पदों पर आधारित रामायण की लोरी-इन सभी भावनात्मक और आध्यात्मिक पक्षों को गीता चंद्रन ने अपनी विशिष्ट शैली में मंचित किया। संध्या का समापन ऊर्जावान तिल्लाना के साथ हुआ, जिसे दर्शकों ने खडे होकर सराहा।

गीता चंद्रन के साथ नृत्यवृक्ष की प्रतिभाशाली कलाकार राधिका कथल, मधुरा भ्रुशुंडी, सौम्या लक्ष्मी नारायणन और यादवी शकधर मेनन ने भी मंच पर सामंजस्य और भावनात्मक गहराई का सुंदर योगदान दिया। जीवंत संगीत के साथ उनकी सामूहिक प्रस्तुति ने दर्शकों के अनुभव को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

प्रस्तुति के उपरांत गीता चंद्रन ने कहा कि भरतनाट्ययम उनके लिए केवल नृत्य नहीं, बल्कि प्रार्थना, दर्शन और काव्य का जीवंत संगम है।

'इम्यूनोग्रिट करेगा अजरता-अमरता के वरदान को सिद्ध'

हरिद्वार। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने पुनः सिद्ध कर दिया है कि हमारे पौराणिक ग्रंथों में वर्णित अष्टवर्ग जड़ी-बूटियों के द्वारा प्राप्त अजरता-अमरता का वरदान मात्र मिथ्या नहीं हैं, इसमें सत्यता भी निहित है। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने अष्टवर्ग एवं अन्य प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से निर्मित औषधि इम्यूनोग्रिट पर किए गए शोध के द्वारा सिद्ध कर दिया है कि इस औषधि के द्वारा असमय आने वाले बुढ़ापे को प्रभावी रूप से धीमा किया जा सकता है।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि तनाव, चिंता, प्रदूषण और गलत जीवनशैली हमें असमय बुढ़ापे की ओर ले जा रही है। आजकल 35-40 वर्ष की आयु में चेहरे पर झुर्रियां, माथे पर लकीरे होना आम बात हो गई है। एलोपैथिक चिकित्सा और महंगे-महंगे इंजेक्शन द्वारा लोग इस समस्या का अस्थाई समाधान खोजने में लगे हैं।

परन्तु इस समस्या का हल भी हमारे पौराणिक ग्रंथों में ही निहित है, हमने अष्टवर्ग जड़ी-बूटियों को वर्तमान युग के अनुरूप, वैज्ञानिक प्रमाणिकता के साथ इम्युनोग्रिट के रूप में प्रस्तुत किया है। आयुर्वेद के अनुसार अष्टवर्ग जड़ी-बूटियां बलवर्धक, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाली एवं आयु को बढ़ने से रोकने वाली विशेषताओं से निहित हैं। उन्होंने आगे कहा कि आयुर्वेद की शक्ति को आज पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। यह हमारी परंपरा और हमारे ऋषि-मुनियों का ज्ञान है। अब वह समय दूर नहीं जब भारत ही नहीं, पूरा विश्व आयुर्वेद को अपनी चिकित्सा पद्धित के रूप में मान्यता देगा।

इम्यूनोग्रिट औषधि विदारीकंद, मेदा, शतावरी, ककोली, क्षीरककोली, रिद्धि, वाराहीकंद, बला, सफ़ेद मूसली, शुद्ध कौंच, अश्वगंधा से बनी है, जिन्हें हमारे आयुर्वेदिक ग्रंथों में बुढ़ापे को मंद करने वाला माना गया है।

पतंजलि अनुसन्धान संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि यह शोध उन लोगों के लिए एक आशा की किरण है जो बढ़ती आयु और उस कारण त्वचा पर असमय होने वाली झुर्रियों से चिंतित हैं। इम्यूनोग्रिट मात्र एक हर्बल सप्लीमेंट नहीं, अपितु एक वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित आयुर्वेदिक समाधान है, जो आने वाले वर्षों में एंटी-

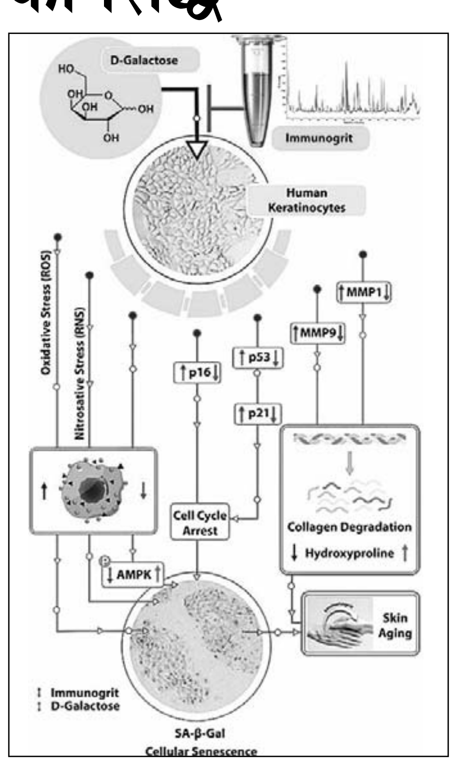

एजिंग उपचार की दिशा में बड़ी भूमिका निभाएगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारा यह प्रयास पुष्टि करता है कि जब परंपरा और विज्ञान साथ आते हैं, तो असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। इस अध्ययन में पाया गया कि इम्यूनोग्रिट बुढ़ापे के कारण त्वचा की कोशिकाओं में होने वाले बदलावों को नियंत्रित करने में कारगर है। यह शोध जिसमें वृद्धावस्था को भी धीमा करने की शक्ति से निहित इम्यूनोग्रिट औषधि के बारे में बताया गया है, अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

ज्वैलरी की मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट में हुई नकबजनी का भंडाफोड, तीन गिरफ्तार

जयपुर। माणकचौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीस अगस्त को चाकसू का चौक स्थित ज्वैलर की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में हुई नकबजनी का भंडाफोड़ करते हुए वहां काम करने वाले नौकर सहित तीन लोगों को पकडा है। जिसमें एक बाल अपचारी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त ऑक्सीजन गैस सिलिंडर, गैस कटर सहित अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि माणक चौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीस अगस्त को चाकसू का चौक स्थित ज्वैलरी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में हुई नकबजनी के मामले में काम करने वाले नौकर राहुल प्रजापत निवासी अरावली विहार जिला अलवर खो नागोरियान और मनीष प्रजापत निवासी अलवर हाल खोनागोरियान को गिरफ्तार किया है और साथ ही इस वारदात में शामिल एक अन्य बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है। आरोपित राहुल प्रजापति वर्तमान में ज्वेलरी मैन्युफैक्चरिंग युनिट पर काम करता है। तथा उसके बड़े भाई मनीष प्रजापत ने भी पूर्व मे एक माह तक इस यूनिट में काम किया था। काम करने के दौरान गोल्ड ज्वेलरी की अत्यधिक मात्रा को देखकर तथा दोनो भाइयों के कर्ज होने के कारण चोरी करने का प्लान बनाया । चूंकि करोडो रुपये की ज्वैलरी गोदरेज के सेफ में रहती थी । जिसको काटकर ज्वैलरी चोरी करना एक चैलेंज था।

हाईकोर्ट ने जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी दी

माफी मांगने पर पालना के लिए मिला एक दिन का समय

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म मामले में अदालती आदेश के बावजूद आरोपी की कॉल डिटेल अदालत में पेश नहीं करने पर अलवर के राजगढ़ थाने के जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी दी। आखिर में जांच अधिकारी के माफी मांगने पर अदालत ने प्रकरण की सुनवाई एक दिन के लिए टालते हुए जांच अधिकारी को संबंधित रिकॉर्ड पेश करने को कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश शंकर लाल की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।सुनवाई के दौरान अदालत ने जांच अधिकारी से पूछा कि गत 12 अगस्त के आदेश की पालना में आरोपी के फोन की कॉल डिटेल से जुडा रिकॉर्ड पेश क्यों नहीं किया। इस पर जांच अधिकारी ने कहा कि वह रिकॉर्ड नहीं लाए हैं। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कहीं वह आरोपी को बचाने के लिए तो ऐसा नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही अदालत ने जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी देते हुए हुए कहा कि 26 अगस्त को रिकॉर्ड पेश किया जाए, वरना कोर्ट अपने स्तर पर आदेश देगी।

- दुष्कर्म मामले में अदालती आदेश के बावजूद आरोपी की कॉल डिटेल कोर्ट में पेश नहीं करने पर हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

पीडिता के वकील बाबूलाल बैरवा ने बताया कि याचिकाकर्ता ने पीडिता के साथ दुष्कर्म किया था। वहीं बाद में उसका विवाह तय होने पर उसके मंगेतर को भी फोन कर जान से मारने की धमकी दी। जिसके चलते शादी के कुछ दिन पहले ही मंगेतर ने विवाह करने से इनकार कर दिया। वहीं सामाजिक रिवाजों के चलते आनन फानन में दूसरे लडके से पीडिता का विवाह कराया गया। पीडिता के वकील ने अदालत में आरोप लगाया की जांच अधिकारी ने आरोपी को बचाने के उद्देश्य से अनुसंधान किया है और आदेश के बावजूद अदालत में रिकॉर्ड पेश नहीं किया।

देवनारायण पदयात्रा में शामिल महिला को पुलिस बस ने कुचला

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके में सोमवार अल-सुबह एक पुलिस बस ने देव नारायण पदयात्रा में शामिल एक महिला भक्त को जोरदार टक्कर मार दी। जिसके महिला गिर पड़ी और बेहोश हो गई। इससे गुस्साएं पदयात्रियों ने बस को रोक लिया और बस चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। पदयात्रियों का आरोप है बस चालक ने शराब पी रखी थी और उसके मुंह से बदबू आ रही थी।

एएसआई सोहन लाल के अनुसार सोमवार सुबह साढ़े 5 से 6 बजे के बीच जल महल के सामने से देव नारायण भगवान की पदयात्रा निकल रहीं थी।

- सोमवार सुबह साढ़े पांच जल महल के सामने हुआ हादसा

तभी आमेर की ओर से आ रही एक पुलिस बस ने अलवर निवासी सरसो देवी (32) पत्नी रामनारायण गुर्जर को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। एंबुलेंस की सहायता से उसे एसएमएस के ट्रोमा वॉर्ड में भर्ती कराया गया।

गुस्साए पदयात्रियों ने विरोध करते हुए बस को रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। बस चालक के मुंह से शराब की बदबू आने से पदयात्री और ज्यादा भडक गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस को साइड में खड़ा करवाकर पुलिसकर्मियों को अन्य वाहनों से ड्यूटी पॉइंट के लिए रवाना किया।

कांस्टेबल को बर्खास्त करने वाला 41 साल पुराना आदेश रद्द

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग के 41 साल पुराने उस आदेश को रद्द कर दिया है,जिसके तहत याचिकाकर्ता की कांस्टेबल पद से सेवाएं समाप्त कर दी गई थी। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को सेवानिवृत्त परिलाभ के लिए उसकी सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में मानने को कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश रमेश की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को बर्खास्त करने और बाद में उसकी अपील खारिज करने के दौरान निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। वहीं समान मामले में वह अदालत से बरी भी हो गया। ऐसे में उसका बर्खास्तगी आदेश और अपीलीय अधिकारी का आदेश रद्द किया जाता है।

याचिका में अधिवक्ता संदीप भगवती ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 1979 में कांस्टेबल नियुक्त हुआ था। वहीं विभाग में उसके खिलाफ शिकायत दी गई कि उसका वास्तविक नाम मोहन लाल है और उसने अपने भाई रमेश के दस्तावेजों से नौकरी हासिल की है। इस शिकायत पर विभाग ने जनवरी, 1984 में उसे निलंबित और बाद में जून माह में बर्खास्त कर दिया। इसके खिलाफ पेश विभागीय अपील भी नवंबर, 1984 में खारिज कर दी गई। याचिका में कहा गया कि उसे 17 सीसीए के तहत छोटा दंड देने के बजाए बर्खास्तगी जैसा बडा दंड दिया गया। इस दौरान उसे सुनवाई का भी पूर्ण अवसर नहीं दिया गया। इसके अलावा समान आरोप में उसके खिलाफ आपराधिक मामला भी चला। जिस पर सुनवाई करते हुए 31 मार्च, 2000 को कोर्ट ने उसे बरी कर दिया। इसके बाद उसने साल 2002 में यह याचिका दायर की। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता ने करीब 18 साल की देरी से याचिका दायर की है। विभागीय अपील के आदेश को तत्काल चुनौती नहीं दी गई। ऐसे में देरी के आधार पर याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को बर्खास्त करने और विभागीय अपीलीय आदेश को रद्द करते हुए उसे सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में मानने को कहा है।

प्रसार की आमसभा में कैडर रिव्यू समेत कई मुद्दों पर चर्चा

15 से 21 अप्रैल तक मनाएंगे जनसंपर्क सप्ताह, राज्य सरकार की योजनाओं का करेंगे सघन प्रचार

जयपुर । पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विसेज एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) की वार्षिक आमसभा रविवार को सूचना केन्द्र, जयपुर के सभागार में आयोजित हुई। प्रसार अध्यक्ष डॉ. हरिशंकर आचार्य की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमार अजय, उपाध्यक्ष (क्षेत्रीय) धर्मेन्द्र मीणा, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) चंद्रशेखर पारीक, महासचिव अभय सिंह भाटी, सचिव मोहित जैन मौजूद रहे। वहीं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. आशीष खंडेलवाल, हेमंत सिंह, आलोक आनंद, कविता जोशी, छोटू लाल जीनगर, वीर सेन, आशीष जैन, सुरेन्द्र बगवाड़ा, संतोष कुमार, दिनेश शर्मा, राकेश कुमार, मनीष कुमार आदि ने भी विचार रखे। बैठक में जनसंपर्क विभाग के कैडर रिव्यू एवं सुदृढ़ीकरण के प्रस्ताव तैयार करने, सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के स्थाईकरण, प्रतिवर्ष 15 से 21 अप्रैल तक जनसंपर्क सप्ताह आयोजित करने तथा जनसंपर्क दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में जयपुर में आयोजित करने, विभागीय कार्यालयों में संसाधनों की वृद्धि सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान जनसंपर्क मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा हुई और कैडर रिव्यू से जुड़े प्रस्ताव साझा तरीके से तैयार करते हुए उच्च स्तर तक प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया। संगठन की अब तक की गतिविधियों, सदस्यता शुल्क, विभिन्न कमेटियों के गठन, फोटोग्राफर संवर्ग तथा जयपुर के न्यू गेट स्थित रंगमंच कार्यालय के विभागीय हित में बेहतर उपयोग के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रसार द्वारा सरकार की युवा कल्याण की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए चलाए जाने वाले 'युवा संकल्प' अभियान और जनसंपर्क सप्ताह के दौरान प्रदेष के सभी जिलों में पूरे सप्ताह सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार का विषेष अभियान चलाने के संबंध में भी चर्चा की गई।

पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विसेज एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) की वार्षिक आमसभा रविवार को सूचना केन्द्र जयपुर में आयोजित हुई।

पैक्स व केवीएसएस पर एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण

जयपुर । सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारी संस्थाएं उनसे की जाने वाली अपेक्षा के अनुरूप पारदर्शी तरीके से कार्य कर सदस्यों और किसानों का हित सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तर पर सामने आने वाले गैप्स समितियों की रैंकिंग और परफॉर्मेंस पर असर डालते हैं, ऐसे में निर्धारित मापदण्डों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य कर रैंकिंग पैरामीटर्स पर खरा उतरने का प्रयास किया जाए।राजपाल सोमवार को नेहरू सहकार भवन में राज्य के सभी पैक्स एवं केवीएसएस हेतु आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित कर रही थीं।

प्रदेश के कई नेशनल और स्टेट हाई-वे अभी भारी बारिश से जलमग्न है। जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर भी सोमवार को काले बादल मंडराए तो ऐसा लगा कि मौसम विभाग की भारी बारिश को लेकर जारी की गई चेतावनी अगर सही रही तो ये भी जलमग्न होगा, परंतु लेकिन बादल जैसे छाए बरसे नहीं। फोटोः दिनेश भारद्वाज